DISH DOCTOR

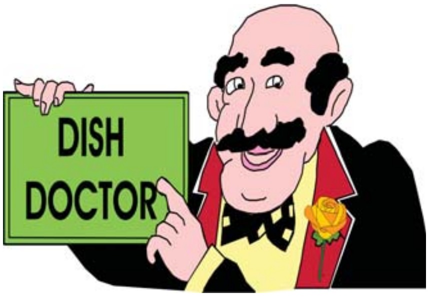

Ask us any questions or problems faced by you in the course of your business. Our DISH DOCTOR will try and answer them in the best way possible, in the simplest terms, avoiding the unnecessary use of technical terms where possible. The service is available free to our readers and subscribers.

Send Your Queries To: Dish Doctor, 312/313, A Wing, 3rd Floor, Dynasty Business Park, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Mumbai – 400059. or
Email: manoj.madhavan@nm-india.com. Now you can WhatsApp Your Dish Doctor Queries To: +91-91082 32956

R&D IN BROADCASTING AND CABLE INDUSTRY

Q: What's the significance of research and development in the broadcast and cable industry and how is the industry growing in India?

Snehlata Gupta, Chattisgarh.

Ans.: In the context of R&D in Broadcasting and Cable sectors, "Research" refers to exploration and investigation of new knowledges, technologies, and methodologies that can be applied to improve existing products or processes or create new ones. For example, researchers in this sector may conduct studies on use of Artificial Intelligence to improve consumers' experience. "Development" involves applications of results of research to create new or improved products or services or processes. The impact of R&D will result in a gamechanging experience for this sector in the future.

The television services are delivered through cable TV, Direct-To-Home (DTH), Headend In The Sky (HITS) and Internet Protocol Television (IPTV) services. As per the industry report, the TV universe consists of

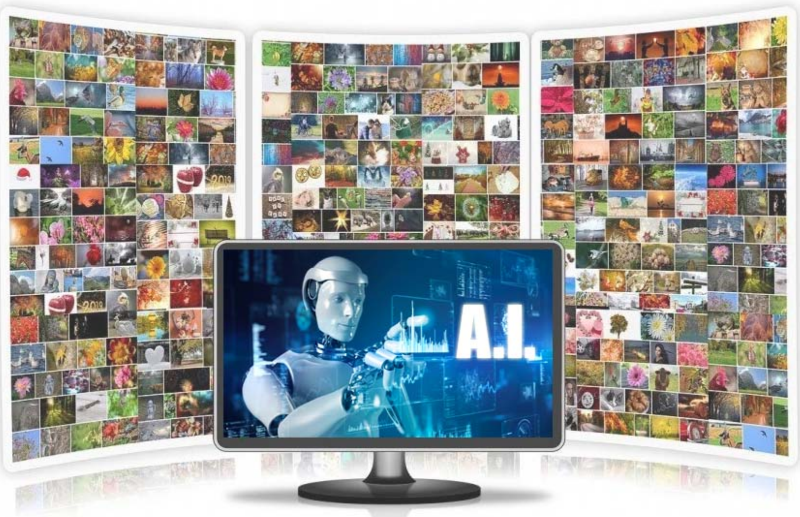

प्रसारण और केबल क्षेत्रों का विकास

प्रश्नः प्रसारण और केबल उद्योग में अनुसंधान और विकास का क्या महत्व है और भारत में उद्योग कैसे बढ़ रहा है?

स्नेहलता गुप्ता, छत्तीसगढ़

उत्तरः प्रसारण और केबल क्षेत्रों अनुसंधान व विकास के संदर्भ में, 'अनुसंधान' का तात्पर्य नये ज्ञान, तकनीकियों और पद्धतियों के खोज और जांच से है, जिन्हें मौजूदा उत्पादों या प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने या नये बनाने के लिए लागू किया जा सकता है। उदाहरण के लिए इस क्षेत्र के शोधकर्ता उपभोक्ताओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियाल इंटेलिजेंस के उपयोग पर अध्ययन कर सकते हैं। 'विकास' में नये या बेहतर उत्पाद या सेवायें या प्रक्रियायें बनाने के लिए अनुसंधान के परिणामों का अनुप्रयोग शामिल है। अनुसंधान व विकास के प्रभाव के परिणामस्वरूप भविष्य में इस क्षेत्र के लिए गेमचेंजर अनुभव प्राप्त होगा।

टेलीविजन सेवायें केबल टीवी, डॉयरेक्ट-टू-होम (डीटीएच), हेडएंड-इन-दॅ-स्काई (एचआईटीएस) और इंटरनेट प्रोटोकॉल टेलीविजन (आईपीटीवी) सेवाओं के माध्यम से वितरित की जाती है। उद्योग रिपोर्ट के मुताबिक टीवी जगत में

approximately 64 million cable TV households, 2 million HITS subscribers. In addition, as reported by the pay DTH operators to TRAI, there were 65.25 million pay DTH total active subscribers as on 31.03.2023. Further, reported subscriber base by the IPTV Operators was 6,47,596 as on 31.03.2023. The TV broadcasting sector encompasses approximately 332 broadcasters providing 903 private satellite TV channels as on 31.03.2023. These television channels include 254 SD pay TV channels and 104 HD Pay TV channels provided by 43 Pay television broadcasters. Currently, there are 1748 (Multi System Operators (MSOs) registered with MIB, 1 HITS operator, 4 pay DTH operators and 25 IPTV operators. Further, as per the information provided by MIB, there are 81,706 cable operators registered in the country.

India's television industry stands at Rs 70,900 crores in the year 2022 as compared to Rs 72,000 crore in the year 2021, thereby registering a decline of around 1.5%. Subscription revenues account for a major share of the overall industry revenue.

Broadcasting sector is also undergoing unprecedented changes due to evolving technologies. Moreover, there are social or behavioral changes in viewing patterns and viewers way of consuming entertainment. ■

लगभग 64 मिलियन केबल टीवी परिवार और 2 मिलियन हिट्स ग्राहक शामिल है। इसके अलावा, जैसाकि ट्राई को पे डीटीएच ऑपरेटरों द्वारा बताया गया है, 31.03.2023 तक कुल 65.25 मिलियन पे डीटीएच ग्राहक सक्रिय थे। इसके अलावा आईपीटीवी ऑपरेटरों द्वारा सूचित ग्राहक आधार 31.03.2023 तक 6,47,596 थी। टीवी प्रसारण क्षेत्र में 31.03.2023 तक लगभग 332 प्रसारक शामिल थे, जो 903 निजी सैटेलाइट टीवी चैनल उपलब्ध करा रहे हैं। इन टेलीविजन चैनलों में 43 पे टेलीविजन प्रसारकों द्वारा प्रदान किये गये 254 एसडी पे टीवी चैनल और 104 एचडी पे टीवी चैनल शामिल हैं। वर्तमान में एमआईबी के साथ 1748 मल्टी सिस्टम ऑपरेटर (एमएसओ), 1 एचआईटीएस ऑपरेटर, 4 पे डीटीएच ऑपरेटर और 25 आईपीटीवी ऑपरेटर पंजीकृत हैं। इसके अलावा, एमआईबी द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार देश में 81,706 केबल ऑपरेटर पंजीकृत हैं।

भारत का टेलीविजन उद्योग वर्ष 2021 में 72,000 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2022 में 70,900 करोड़ रुपये का है, इस प्रकार लगभग 1.5% की गिरावट दर्ज की गयी है। सब्सक्रीप्शन राजस्व समग्र उद्योग राजस्व का एक बड़ा हिस्सा है।

उभरती तकनीकियों के कारण प्रसारण क्षेत्र भी अभूतपूर्व बदलावों से गुजर रहा है। इसके अलावा, दर्शकों के देखने के तरीके और मनोरंजन का उपभोग करने के तरीके में सामाजिक या व्यवहारिक परिवर्तन होते हैं। ■

SATELLITE & Cable TV 30 Years Magazine...
INDIA'S MOST RESPECTED TRADE MAGAZINE FOR THE CABLE TV, BROADBAND, IPTV & SATELLITE INDUSTRY
www.scatmag.com
KNOWLEDGE
KNOWLEDGE A KEY
TO SUCCESS IN BROADBAND, CABLE TV, iPTV, OTT
SUBSCRIBE TODAY !!
Only One Magazine Gives You An Indepth Look At The Events, News, Laws And The Latest Technology in India.....
Email: subscribe@scatmag.com | Tel.: +91-022-6216 5320